पुरुषों में नपुंसकता का कारण भी बन सकता है हैपेटाइटस

नई दिल्ली, 27 जुलाई (ब्यूरो) : हैपेटाइटस पुरुषों में नपुंसकता का कारण भी बन सकता है। ज्यादातर लोगों को इसकी जानकारी नहीं है। हैपेटाइटिस के लिए पांच किस्म के वायरस ए, बी, सी, डी, ई और जी जिम्मेदार होते हैं। जांच के लिए आने वाले मामलों में से 90 प्रतिशत ए, बी या सी के होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, पूरी दुनिया में 40 लाख लोग हैपेटाइटस बी या सी से पीड़ित हैं। हैपेटाइटस से पीड़ित व्यक्ति के लीवर में गंभीर क्षति हो सकती है जो कुछ समय बाद जानलेवा साबित हो सकती है। इस बीमारी से बचाव का सबसे अच्छा रास्ता जागरूकता है।

वर्ल्ड हैपेटाइटिस डे पर विशेष

क्या है हैपेटाइटिस : हैपेटाइटस बी और सी आम तौर पर पाए जाने वाले वायरस हैं और इनसे क्रॉनिक बीमारी होती है। हैपेटाइटस मां से होने वाले बच्चे को हो सकती है, यौन संबंधों के दौरान हो सकती है और संक्रमित रक्त से भी हो सकती है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार पूरी दुनिया में हर साल 1.4 लाख लोग वायरल हैपेटाइटस से अपनी जान गवाते हैं।

ऐसे करें बचाव

फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल, दिल्ली में आईवीएफएवं इन्फर्टिलिटी के डायरेक्टर एवं फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गाइनीकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफइंडिया के सेक्रेट्री जनरल, डॉ. हृषिकेश डी पाई के मुताबिक अगर यह पता चल जाए कि अभी तक आपको यह संक्रमण नहीं हुआ है तो इस संक्रमण के भय से पूरी तरह से निश्चिंत हुआ जा सकता है। बचाव के लिए पहले तो स्क्रीनिंग जरूरी है। एक साधारण खून की जांच से यह पता चल जाए कि आप इस संक्रमण से बचे हुए हैं तो कोई देरी किए बगैर टीका ले लें। खुद ही नहीं, परिवार के हर सदस्य, बच्चों, बूढ़े, जवान सब को टीका लगवा दें, अगर वे सभी संक्रमण से बचें हुए हैं।